जो शरण गुरु की आया

सुख का साथी जगत सब,
दुःख का साथी न कोए।
दुःख का साथी साँईयाँ,
दादू सद्गुरु होए॥

जो शरण, गुरु की आया,
इहाँ लोक सुखी, परलोक सुखी॥
जिसने, गुरु ज्ञान पचाया,
इहाँ लोक सुखी, परलोक सुखी॥
ही ॐ ही ॐ, ही ॐ ही ॐ॥

रामायण में, शिव जी कहते।
भागवत में, सुकदेव जी कहते।
गुरबाणी में, नानक कहते।
जपो, संत संग राम,
इहाँ लोक सुखी, परलोक सुखी।
ही ॐ ही ॐ, ही ॐ ही ॐ॥

चिन्ता और भय, सब मिट जाए।
दुर-गुण दोष, सभी छूट जाए।
चमके, भाग्य सितारा,
इहाँ लोक सुखी, परलोक सुखी।
ही ॐ ही ॐ, ही ॐ ही ॐ॥

साँसो में हो, नाम का सिमरण।
मन में हो, गुरुदेव का चिन्तन।
जिसने, यह अपनाया,
इहाँ लोक सुखी, परलोक सुखी।
ही ॐ ही ॐ, ही ॐ ही ॐ॥

ब्रह्म ज्ञानी, साकार ब्रह्म है।
इन का ना, कोई बंधन है।
सब को, करे महान,
इहाँ लोक सुखी, परलोक सुखी।
ही ॐ ही ॐ, ही ॐ ही ॐ॥

कृपा तुम्हरी, पा जाएंगे।
जो सतसंग में, आ जाएंगे।
हो जाएं, भवजल पार,
इहाँ लोक सुखी, परलोक सुखी।
ही ॐ ही ॐ, ही ॐ ही ॐ॥

जो संतों की, निंदा करते
अपना ही वह, वँश मिटाते
जो संत, शरण में आते,
इहाँ लोक सुखी, परलोक सुखी।
ही ॐ ही ॐ, ही ॐ ही ॐ ॥
मेरे राम मेरे राम x॥ -॥
अपलोडर- अनिल रामूर्ति भोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/11388/title/jo-sharn-guru-ji-aaya-iha-lok-sukhi-parlok-sukhi

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |